

चीसना अ.क्रि. (देश.) दे. चीखना।

चुंगल पुं. (देश.) पशु-पक्षियों, विशेष कर शिकारी चिड़ियों, जानवरों का पंजा, चुंगल, बुकटा, पकड़ मुहा. चुंगल में फँसना- वश में आना/काबू में होना।

चुंगी स्त्री. (देश.) 1. चुंगल-भर वस्तु, चुटकी-भर चीज 2. अनाज आदि बेचने वालों से सीमा शुल्क के रूप में लिया जाने वाला महसूल।

चुंधाना स.क्रि. (देश.) चुसाना, चुसाकर पिलाना।

चुंचुरी स्त्री. (तत्.) पासे के बदले इमली के बीजों से खेला जाने वाला जुआ।

चुंचुल पुं. (तत्.) विश्वामित्र के पुत्र का नाम जो संगीत का बहुत बड़ा पंडित था।

चुंटा स्त्री. (तद्.) दे. चुंडा।

चुंडा पुं. (तत्.) छोटा कुआँ, कूप।

चुंदी स्त्री. (तत्.) 1. कुटनी, दूती 2. चुटिया।

चुंधा वि. (देश.) 1. छोटी आँखों वाला 2. जिसकी दृष्टि क्षीण हो।

चुंधियाना अ.क्रि. (देश.) चौंधना, 'चुंधलाना' चौंधियाना।

चुंबक पुं. (तत्.) 1. चुंबन करने वाला 2. कामुक, कामी 3. धूर्त मनुष्य 4. ग्रंथों को केवल इधर-उधर उलटने वाला, विषय को अच्छी तरह न समझने वाला 5. घड़े के मुँह पर लगाया जाने वाला फंदा, फाँस 6. एक प्रकार का पत्थर या धातु जिसमें लोहे को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति होती है।

चुंबकीय वि. (तत्.) 1. चुंबक संबंधी 2. जिसमें चुंबक का गुण हो।

चुंबन पुं. (तत्.) चूमने की क्रिया, बोसा, छूना, स्पर्श।

चुंबा स्त्री. (तत्.) दे. चुंबन।

चुंबित वि. (तत्.) 1. चूमा हुआ 2. प्यार किया हुआ 3. स्पर्श किया हुआ, छुपा हुआ।

चुंबी वि. (तत्.) 1. चुंबन करने वाला, छूने वाला विशेष. यौगिक शब्द बनाने में इसका प्रयोग अधिक होता है जैसे- गगन-चुंबी।

चुँदरी स्त्री. (देश.) चुनरी।

चुँधलाना अ.क्रि. (देश.) चौंधना, चकाचौंध होना, आँखों का तिलमिलाना।

चुआई स्त्री. (देश.) 1. चुआने का काम 2. चुआने की मजदूरी।

चुआन स्त्री. (देश.) नहर, सोता, जल आने का स्थान, खाई।

चुआना स.क्रि. (देश.) 1. टपकाना, बूँद-बूँद गिराना 2. चुपड़ना चिकना करना, रसमय करना, रसीला बनाना 3. भभके से अर्क खींचना।

चुआव स्त्री. (देश.) चुआने की क्रिया या भाव।

चुकंदर पुं. (फा.) गाजर या शलजम की शकल का लाल रंग का मूल जो साग-भाजी के रूप में खाया जाता है और जिसके रस से चीनी भी बनती है।

चुक पुं. (देश.) दे. 'चूक'।

चुकचुकाना अ.क्रि. (देश.) 1. रिसकर बाहर आना 2. पसीजना, आर्द्र होना 3. बिलकुल चुक जाना, समाप्त होना प्रयो. सब कुछ चुकचुकाने पर तुम आए हो।

चुकटा स्त्री. (देश.) चंगुल, चुटकी, चुटकी-भर वस्तु।

चुकता वि. (देश.) जो चुका दिया गया हो, अदा, बेबाक। प्रयो. हम शीघ्र ही तुम्हारा सब रुपया चुकता कर देंगे।

चुकना अ.क्रि. (तद्.) 1. समाप्त होना, बाकी न रहना, निपटना, निःशेष होना 2. बेबाक होना, अदा होना प्रयो. उनका सब ऋण चुक गया 3. चूकना, भूल करना, त्रुटि करना, अवसर के अनुसार कार्य न करना 4. खाली जाना, निष्फल होना, व्यर्थ होना वि. चुकने वाला, अवसर खोने वाला, भूलने वाला।

चुकवाना स.क्रि. (तद्.) अदा करना, बेबाक करना।

चुकाई स्त्री. (तद्.) चुकता होने का भाव।

चुकाना स.क्रि. (तद्.) 1. बेबाक करना, अदा करना, परिशोध करना प्रयो. उसे बैंक का ऋण